

學本書

國基叢書

# 农政全书

「明」徐光启 著  
陈焕良 校注  
罗文华

下



岳麓书社

政全书

下

罗文华 陈焕良  
[明]徐光启

校注 著

岳麓书社

# 农政全书总目

## (上 册)

|            |      |
|------------|------|
| 张国维原序      | (1)  |
| 张溥序        | (4)  |
| 王大宪序       | (7)  |
| 方岳贡序       | (9)  |
| 潘曾沂序       | (11) |
| 徐如璋序       | (13) |
| 凡例         | (15) |
| 重刻凡例       | (21) |
| <b>卷之一</b> |      |
| 农本         | (1)  |
| 经史典故       | (1)  |
| 诸家杂论上      | (4)  |
| <b>卷之二</b> |      |
| 农本         | (22) |
| 诸家杂论下      | (22) |
| <b>卷之三</b> |      |
| 农本         | (39) |
| 国朝重农考      | (39) |

## 卷之四

|         |      |
|---------|------|
| 田制      | (55) |
| 玄扈先生井田考 | (55) |

## 卷之五

|        |      |
|--------|------|
| 田制     | (71) |
| 农桑诀田制篇 | (71) |

## 卷之六

|     |      |
|-----|------|
| 农事  | (84) |
| 营治上 | (84) |

## 卷之七

|     |      |
|-----|------|
| 农事  | (97) |
| 营治下 | (97) |

## 卷之八

|     |       |
|-----|-------|
| 农事  | (111) |
| 开垦上 | (111) |

## 卷之九

|     |       |
|-----|-------|
| 农事  | (129) |
| 开垦下 | (129) |

## 卷之十

|    |       |
|----|-------|
| 农事 | (139) |
| 授时 | (139) |

|             |          |                   |
|-------------|----------|-------------------|
| 总论 (139)    | 春 (140)  | 卷之十三              |
| 夏 (144)     | 秋 (147)  | 水利 ..... (196)    |
| 冬 (150)     |          | 东南水利上 ..... (196) |
| <b>卷之十一</b> |          | <b>卷之十四</b>       |
| 农事 .....    | (156)    | 水利 ..... (210)    |
| 占候 .....    | (156)    | 东南水利中 ..... (210) |
| 正月 (156)    | 二月 (156) | <b>卷之十五</b>       |
| 三月 (156)    | 四月 (157) | 水利 ..... (225)    |
| 五月 (157)    | 六月 (158) | 东南水利下 ..... (225) |
| 七月 (159)    | 八月 (159) | <b>卷之十六</b>       |
| 九月 (160)    | 十月 (160) | 水利 ..... (241)    |
| 十一月 (161)   |          | 浙江水利 ..... (241)  |
| 十二月 (161)   |          | 浙江 ..... (241)    |
| 日 (162)     | 月 (162)  | 滇南 ..... (250)    |
| 星 (163)     | 风 (163)  | 水利疏 ..... (254)   |
| 雨 (164)     | 云 (164)  | <b>卷之十七</b>       |
| 雾 (165)     | 霞 (165)  | 水利 ..... (263)    |
| 虹 (165)     | 雷 (166)  | 灌溉图谱 ..... (263)  |
| 电 (166)     | 冰 (166)  | <b>卷之十八</b>       |
| 霜 (166)     | 雪 (166)  | 水利 ..... (285)    |
| 山 (166)     | 地 (166)  | 利用图谱 ..... (285)  |
| 水 (166)     | 草 (167)  | <b>卷之十九</b>       |
| 花 (167)     | 木 (167)  | 水利 ..... (294)    |
| 潮 (167)     | 飞禽 (168) | 泰西水法上 ..... (294) |
| 走兽 (168)    | 龙 (169)  | <b>卷之二十</b>       |
| 鱼 (169)     | 杂虫 (169) | 水利 ..... (314)    |
| <b>卷之十二</b> |          | 泰西水法下 ..... (314) |
| 水利 .....    | (171)    | <b>卷之二十一</b>      |
| 总论 .....    | (171)    |                   |
| 西北水利 .....  | (172)    |                   |

|              |       |          |                  |       |          |
|--------------|-------|----------|------------------|-------|----------|
| 农器           | ..... | (326)    | 树艺               | ..... | (407)    |
| 图谱一          | ..... | (326)    | 蓏部               | ..... | (407)    |
| <b>卷之二十二</b> |       |          | 瓜                | (407) | 黄瓜 (409) |
| 农器           | ..... | (341)    | 白瓜               | (409) | 王瓜 (410) |
| 图谱二          | ..... | (341)    | 丝瓜               | (410) | 西瓜 (410) |
| <b>卷之二十三</b> |       |          | 茄                | (411) | 天茄 (412) |
| 农器           | ..... | (355)    | 瓠                | (412) | 芋 (414)  |
| 图谱三          | ..... | (355)    | 香芋               | (416) | 莲 (416)  |
| <b>卷之二十四</b> |       |          | 菱                | (417) | 芡 (418)  |
| 农器           | ..... | (369)    | 乌芋               | (419) | 慈姑 (419) |
| 图谱四          | ..... | (369)    | 菰                | (420) | 山药 (420) |
| <b>卷之二十五</b> |       |          | 甘薯               | (422) | 萝卜 (426) |
| 树艺           | ..... | (380)    | <b>卷之二十八</b>     |       |          |
| 谷部上          | ..... | (380)    | 树艺               | ..... | (431)    |
| 谷名考          | (380) | 黍 (380)  | 蔬部               | ..... | (431)    |
| 稷            | (381) | 稻 (384)  | 葵                | (431) | 蜀葵 (433) |
| 粱            | (389) | 粱秫 (389) | 龙葵               | (433) | 终葵 (434) |
| 蕡秫           | (389) | 稗 (390)  | 蔓菁               | (434) | 乌菘 (438) |
| <b>卷之二十六</b> |       |          | 夏菘               | (438) | 蒜 (438)  |
| 树艺           | ..... | (396)    | 葱                | (440) | 韭 (441)  |
| 谷部下          | ..... | (396)    | 薤                | (442) | 姜 (442)  |
| 大豆           | (396) | 小豆 (397) | 芥                | (444) | 菔 (445)  |
| 菉豆           | (398) | 赤豆 (398) | 芸薹               | (447) | 藏菜 (447) |
| 蚕豆           | (399) | 豌豆 (399) | 菠菜               | (448) | 苋 (448)  |
| 豇豆           | (399) | 扁豆 (399) | 茼蒿               | (448) | 甜菜 (449) |
| 刀豆           | (400) | 黎豆 (400) | 芹                | (449) | 蘋 (449)  |
| 麦            | (400) | 荞麦 (403) | 苜蓿               | (450) | 紫苏 (450) |
| 胡麻           | (404) |          | 苏                | (451) | 萝 (451)  |
| <b>卷之二十七</b> |       |          | 兰香               | (451) | 蘘荷 (452) |
|              |       |          | 甘露子 <sup>c</sup> | (452) | 菌 (453)  |

## 卷之二十九

- 树艺 ..... (457)  
果部上 ..... (457)  
    枣 (457) 桃 (458)  
    李 (460) 梅 (461)  
    杏 (462) 梨 (464)  
    栗 (466) 榛 (467)  
    柰 (467) 林檎 (468)  
    柿 (468) 柿柿 (469)  
君迁子 (470)  
安石榴 (470)

## 卷之三十

- 树艺 ..... (474)  
果部下 ..... (474)  
    荔枝 (474) 龙眼 (475)  
    龙荔 (475) 橄榄 (475)  
    樱桃 (476) 杨梅 (477)  
    葡萄 (477) 野葡萄 (478)  
    银杏 (478) 桑杷 (479)  
    橘 (479) 柑 (481)  
    柚 (481) 佛手柑 (481)  
    金橘 (481) 金豆 (482)  
    橙 (482) 桑葚 (482)  
    木瓜 (482) 椒子 (483)  
    榅桲 (483) 榕桲 (483)  
    山楂 (484) 甘蔗 (484)

(下册)

## 卷之三十一

- 蚕桑 ..... (489)  
    总论 ..... (489)  
    养蚕法 ..... (493)

## 卷之三十二

- 蚕桑 ..... (517)  
    栽桑法 ..... (517)

## 卷之三十三

- 蚕桑 ..... (535)  
    蚕事图谱 ..... (535)

## 卷之三十四

- 蚕桑 ..... (548)  
    桑事图谱 ..... (548)  
    织纴图谱 ..... (551)

## 卷之三十五

- 蚕桑广类 ..... (558)  
    木棉 ..... (558)

## 卷之三十六

- 蚕桑广类 ..... (576)  
    麻 ..... (576)  
        苎麻 (576) 大麻 (576)  
        蕡麻 (577) 附葛 (581)

## 卷之三十七

- 种植 ..... (591)  
    种法 ..... (591)

## 卷之三十八

- 种植 ..... (604)  
    木部 ..... (604)  
        榆 (604) 檵、梓、櫟 (605)

|                   |          |                   |
|-------------------|----------|-------------------|
| 松、杉、柏、桧 (606)     | 梧桐 (608) | 牧养 ..... (654)    |
| 椿 (608)           | 穀 (611)  | 六畜 杂附 ..... (654) |
| 椒 (609)           | 杨柳 (612) | 马 (654) 驴 (665)   |
| 槐 (612)           | 女贞 (614) | 牛 (665) 羊 (669)   |
| 白杨 (614)          | 水槿 (618) | 猪 (675) 狗 (676)   |
| 冬青 (618)          | 乌臼 (619) | 猫 (676) 鹅 (677)   |
| 楮 (618)           | 皂莢 (621) | 鴨 (677) 鸡 (678)   |
| 漆 (621)           | 柞 (622)  | 鱼 (680) 蜜蜂 (683)  |
| 棕榈 (622)          | 棠梨 (623) |                   |
| 棟 (622)           | 椰 (623)  |                   |
| 海红 (623)          | 楂 (624)  |                   |
| 梔子 (624)          |          |                   |
| <b>卷之三十九</b>      |          |                   |
| 种植 ..... (629)    |          |                   |
| 杂种上 ..... (629)   |          |                   |
| 竹 (629) 筍 (633)   |          |                   |
| 茶 (634) 菊 (636)   |          |                   |
| <b>卷之四十</b>       |          |                   |
| 种植 ..... (641)    |          |                   |
| 杂种下 ..... (641)   |          |                   |
| 红花 (641) 蓝 (643)  |          |                   |
| 紫草 (644) 枸杞 (645) |          |                   |
| 茱萸 (646) 决明 (647) |          |                   |
| 黄精 (647) 五加 (647) |          |                   |
| 百合 (647) 薤苡 (648) |          |                   |
| 芭蕉 (648) 薤 (649)  |          |                   |
| 芥蓝 (649) 茼 (650)  |          |                   |
| 蕘 (650) 蒲 (650)   |          |                   |
| 席草 (651) 灯草 (651) |          |                   |
| <b>卷之四十一</b>      |          |                   |
| <b>卷之四十二</b>      |          |                   |
| 制造 ..... (694)    |          |                   |
| 食物 ..... (694)    |          |                   |
| 营室 杂附 ..... (703) |          |                   |
| <b>卷之四十三</b>      |          |                   |
| 荒政 ..... (712)    |          |                   |
| 备荒总论 ..... (712)  |          |                   |
| 备荒考上 ..... (718)  |          |                   |
| <b>卷之四十四</b>      |          |                   |
| 荒政 ..... (737)    |          |                   |
| 备荒考中 ..... (737)  |          |                   |
| <b>卷之四十五</b>      |          |                   |
| 荒政 ..... (760)    |          |                   |
| 备荒考下 ..... (760)  |          |                   |
| <b>卷之四十六</b>      |          |                   |
| 荒政 ..... (773)    |          |                   |
| 救荒本草一 ..... (773) |          |                   |
| 草部 叶可食三十四种        |          |                   |
| ..... (773)       |          |                   |
| <b>卷之四十七</b>      |          |                   |

|              |       |       |              |       |       |
|--------------|-------|-------|--------------|-------|-------|
| 荒政           | ..... | (792) | .....        | ..... | (867) |
| 救荒本草二        | ..... | (792) | 叶及实皆可食十二种    | ..... | (877) |
| 草部 叶可食三十二种   | ..... | (792) |              |       |       |
| <b>卷之四十八</b> |       |       | <b>卷之五十三</b> |       |       |
| 荒政           | ..... | (808) | 荒政           | ..... | (884) |
| 救荒本草三        | ..... | (808) | 救荒本草八        | ..... | (884) |
| 草部 叶可食三十一种   | ..... | (808) | 草部 根叶可食二十三种  | ..... | (884) |
| <b>卷之四十九</b> |       |       | 茎可食三种        | ..... | (897) |
| 荒政           | ..... | (823) | 笋及实皆可食一种     | ..... | (899) |
| 救荒本草四        | ..... | (823) |              |       |       |
| 草部 叶可食三十六种   | ..... | (823) | <b>卷之五十四</b> |       |       |
| <b>卷之五十</b>  |       |       | 荒政           | ..... | (901) |
| 荒政           | ..... | (841) | 救荒本草九        | ..... | (901) |
| 救荒本草五        | ..... | (841) | 木部 叶可食四十一种   | ..... | (901) |
| 草部 叶可食二十六种   | ..... | (841) |              |       |       |
| <b>卷之五十一</b> |       |       | <b>卷之五十五</b> |       |       |
| 荒政           | ..... | (853) | 荒政           | ..... | (921) |
| 救荒本草六        | ..... | (853) | 救荒本草十        | ..... | (921) |
| 草部 根可食二十四种   | ..... | (853) | 木部 实可食二十种    | ..... | (921) |
| <b>卷之五十二</b> |       |       |              |       |       |
| 荒政           | ..... | (867) | <b>卷之五十六</b> |       |       |
| 救荒本草七        | ..... | (867) | 荒政           | ..... | (932) |
| 草部 实可食二十种    | ..... |       | 救荒本草十一       | ..... | (932) |

|              |              |              |
|--------------|--------------|--------------|
| 花叶实皆可食二种     | 荒政           | ..... (973)  |
| ..... (939)  | 救荒本草十四       | ..... (973)  |
| 叶皮及实皆可食二种    | 菜部 叶可食十九种    |              |
| ..... (940)  | ..... (973)  |              |
| 笋可食一种        | 根可食二种        | ..... (981)  |
| ..... (941)  | 根叶皆可食四种      | ..... (982)  |
| <b>卷之五十七</b> | 叶及实皆可食五种     |              |
| 荒政           | ..... (984)  |              |
| 救荒本草十二       | 根及实皆可食一种     |              |
| 米谷部 实可食二十种   | ..... (987)  |              |
| ..... (943)  | <b>卷之六十一</b> |              |
| <b>卷之五十八</b> | 荒政           | ..... (989)  |
| 荒政           | 野菜谱 六十种      | ..... (989)  |
| 救荒本草十三       | <b>附 录</b>   |              |
| 果部 实可食十四种    | 徐文定公传        | ..... (1006) |
| ..... (954)  | 《四库全书总目提要》   |              |
| 叶及实皆可食五种     | (《农政全书》六十卷)  |              |
| ..... (960)  | ..... (1007) |              |
| 根可食二种        | 别本《农政全书》     |              |
| ..... (963)  | 四十六卷         | ..... (1008) |
| 根及实皆可食二种     |              |              |
| ..... (964)  |              |              |
| 菜部 叶可食十四种    |              |              |
| ..... (965)  |              |              |
| <b>卷之五十九</b> |              |              |

# 卷之三十一

## 蚕 桑

### 总 论

《易》曰<sup>①</sup>：神农氏没，黄帝、尧、舜氏作。通其变，使民不倦。垂衣裳而天下治，盖取诸乾坤。疏：黄帝已上，衣鸟兽之皮。其后人多兽少，事或穷乏，故以丝麻布帛而制衣裳，使民得宜也。玄扈先生曰：可以通于北虏。

《礼记·月令》曰：季春，无伐桑柘。郑玄注曰：爱养蚕食也。

《周礼》曰：马质。禁原蚕者。注曰：质，平也；主买马平其大小之价直者。原，再也。天文，辰为马。《蚕书》，蚕为龙精，月直大火，则浴其蚕种，是蚕与马同气。物莫能两大，故禁再蚕者，为伤马与？

《尚书大传》曰：天子诸侯，必有公桑蚕室，就川而为之。大听之朝，夫人浴种于川。

《春秋考异邮》曰：阳物，大恶水，故蚕食而不饮。阳，立于三春，故蚕三变而后消；死于 [七]<sup>②</sup>，三七二十一日，故二十一日而茧。

《淮南子》曰：原蚕，而一岁再登，非不利也；然王者法禁之，为其残桑也。

《俞益期笺》曰：日南蚕八熟，茧软而薄，椹采少多。杨泉《物理论》曰：使人 [主] 之养民<sup>③</sup>，如蚕母之养蚕，其用岂徒丝 [茧] 而已哉<sup>④</sup>！

《五行书》曰<sup>⑤</sup>：欲知蚕善恶，常以三月三日：天阴，如无日，不见雨，蚕大善。又法：埋马牙齿于植下，令宜蚕。

王祯《蚕繢篇》曰：淮南王《蚕经》云：“黄帝元妃西陵氏，始蚕。”盖黄帝制作衣裳因此始也。其后，禹平水土，《禹贡》所谓“桑土既蚕”，其利渐广。《礼·月令》曰：季春之月，具曲植蘧筐，后妃斋戒，亲东乡，躬桑。禁妇女毋观，毋观，去容饰也。省妇使，以劝蚕事。妇使，谓缝线纽串之事<sup>⑥</sup>。蚕事既登，分茧、称丝、效功，以供郊庙之服，无有敢惰。及考之历代，皇后与诸侯夫人亲蚕之事，昭然可见，况庶人之妇，可不务乎？

王祯《茧馆序》曰：茧馆，皇后亲蚕之所，古公桑、蚕室也。周制：天子、诸侯，必有公桑、蚕室，近川而为之。筑宫，仞有三尺，棘墙而外闭之。后妃斋戒，享先蚕而躬桑，以劝蚕事。《后妃亲蚕仪》曰：皇后躬桑，始捋一条；执筐受桑，捋三条。女尚书跪曰：“可止。”执筐者，以桑授蚕母，以桑适金室。

《前汉·文帝纪》诏<sup>⑦</sup>：“皇后亲桑，以奉祀服。”景帝诏<sup>⑧</sup>：“后亲桑，为天下先。”元帝王皇后为太后，幸茧馆，率皇后及列夫人桑。明帝时，皇后诸侯夫人蚕。魏文帝黄初中，皇后蚕于北郊，遵周典也。晋武帝太康中，立蚕宫，皇后躬桑，依汉魏故事。宋孝武立蚕观，后亲桑，循晋礼也。北齐，置蚕宫，皇后躬桑于[其]所<sup>⑨</sup>。后周制：皇后至蚕所，桑。隋制：皇后亲桑于位。唐：太宗贞观元年，皇后亲蚕。显庆元年，皇后武氏，先天二年，皇后王氏，乾元二年，皇后张氏，并见亲蚕礼。玄宗开元中，命宫中食蚕，亲自临视。宋《开宝通礼》、《郊祀录》并有后亲蚕祝辞。此历代后妃亲蚕之事，采之史编，昭然可见。兹特冠于篇首，庶有国家者，按图考谱，知茧馆之不徒名也。赋云：惟蚕有功，于世归美。广物产之货资，作生人之衣被。中春之月，天子诏后以躬桑，大昕之朝，内宰告期而命祀。于是诣灵坛，降宝殿，翠障夹乎道周，凤辇翔于畿甸。顺春气于东方，朝先蚕于北面。具夫青缥之服，皇后蚕服：青上，缥下，深衣。侑以芳馨之荐。九宫倾动，蔼然临祭以陪班；三献礼成，沛矣迎祥于回眷。当其叠承宠命，适对韶光，择世

妇于吉卜，受鞠衣于明堂。《月令》“三月荐鞠衣，祭先帝于明堂”。所以崇开禁馆，始入公桑；援条有三，听女尚书之劝止，执筐不再，受宫夫人之是将。体之以坤仪之柔顺，视之以母道之慈良。破茧以来，庶养至于千薄，献茧之后，谅化被于多方。是以命缫治之成丝，就趋工而俟织。玄黄朱绿，染各精明；黼黻文章，古者献茧，使缫；遂朱绿之，玄黄之，以为黼黻文章。参同品色。茧馆图不载。

王祯《先蚕坛序》曰：先蚕，犹先酒、先饭，祀其始造者。坛，筑土为祭所也。黄帝元妃西陵氏始蚕，即先蚕也。按：黄帝元妃西陵氏，曰儻祖，始劝蚕稼。月大火而浴种，夫人副袆而躬桑，乃献茧称丝。织纴之功因之广，织以供郊庙之服。《皇图要览》云：伏义化茧，西陵氏养蚕。淮南王《蚕经》云：西陵氏劝蚕稼，亲蚕始此。

《礼·月令》：季春，是月也，后妃斋戒，享先蚕而躬桑，以劝蚕事。

《周礼·天官·内宰》：仲春，诏后帅外内命妇，始〈祭〉 [蚕] 于北郊<sup>⑩</sup>。蚕于北郊，以纯阴也。

《汉·礼仪志》：皇后祀先蚕，礼以中牢。魏黄初中，置坛于北郊，依周典也。晋置先蚕坛，高一丈，方二丈。四出陛<sup>⑪</sup>，陛广五尺。皇后至西郊，亲祭、躬桑。北齐先蚕坛，[高] 五尺，方二丈，四〈高〉陛<sup>⑫</sup>，陛各五尺。外兆四十步。面开一门。皇后升坛，祭毕而桑。后周，皇后至先蚕坛，亲飨。隋制：宫北三里，坛高四尺。皇后以太牢制币而祭。唐置<sup>⑬</sup>：坛在长安宫北苑中，高四尺，周围三十步。皇后并有事于先蚕。其仪，备开元礼。宋用北齐之制，筑坛如中祠礼。《通礼义纂》：后亲享先蚕，贵妃亚献，昭仪终献。夫蚕祭有坛，稽之历代，虽仪制少异，然皆递相沿袭，汔羊不绝<sup>⑭</sup>。知礼之不可独废。有天下国家者，尚鉴兹哉！有图不载。

王祯《蚕神序》曰：蚕神，天驷也。天文，辰为龙；蚕辰生，又与马同气。谓天驷，即蚕神也。淮南王《蚕经》云：黄帝元妃西陵氏始蚕。至汉，祀宛麻妇人<sup>⑮</sup>，寓氏公主。蜀有蚕女马头娘。此

历代所祭不同。然天驷为蚕精，元妃西陵氏为先蚕，实为要典。若夫汉祭宛窳妇人、寓氏公主，蜀有蚕女马头娘。又有谓三娘为蚕母者，此皆后世之溢典也。然古今所传，立像而祭，不可遗阙，故并附之。稽之古制，后妃祭先蚕，坛、壝、牲、币如中祠<sup>⑯</sup>。此后妃亲蚕祭神礼也。《蚕书》曰<sup>⑰</sup>：“卧种之日，诘旦升香，割鸡、设醴，以祷先蚕。”此庶人之祭也。自天子、后妃，至于庶人之妇，事神之礼，虽有不同，而敬奉之心一。谅为知所本矣。乃作祈报之辞曰<sup>⑱</sup>：祈惟蚕之神，伊驷有星；惟蚕之神，伊昔著名。气钟于此，孕卵而生。既桑而育，既眠而兴。神之福汝，有箔皆盈；尚冀终惠，用彰厥灵；簇老献瑞，茧盆效成。敬获吉卜，愿契心盟。神宜享之，祈祀惟馨。报龙精一气，功被多方。继当是岁，神降于桑。载生载育，来福来祥，锡我茧丝，制此衣裳。室家之庆，闾里之光。敬帅长幼，诘旦升香。设醴于俎，奠醴于觞。工祝致告，神德弥彰。有图不载。

郭子章《蚕论》曰<sup>⑲</sup>：木各有所宜土，惟桑亡不宜<sup>⑳</sup>。桑亡不宜，故蚕无不可事。《豳风》之诗曰“女执懿筐，遵彼微行，爰求柔桑”，则豳可蚕。《将仲子》之诗曰“无折我树桑”，则郑可蚕。《车鄰》之诗曰“阪有桑，隰有杨”，则秦可蚕。《氓》之诗曰“桑之未落，其叶沃若；桑之落矣，其黄而陨”，《桑中》之诗曰“期我乎桑中”，则卫可蚕。《皇矣》之诗曰“攘之剔之，其槩其柘”，《桑柔》之诗曰“菀彼桑柔，其下侯旬”，则周可蚕。《禹贡》兗州“桑土既蚕，厥筐织文”，则鲁可蚕。青州“厥筐熙熙<sup>㉑</sup>”，《管子》亦曰“五粟之土，其槩其桑”，则齐可蚕。荆州“厥筐玄纁”，则楚可蚕。孟子告梁惠王曰“五亩之宅，树之以桑”，《十亩》之诗曰“十亩之间，桑者闲闲”，则梁可蚕。蚕丛都蜀，衣青衣，教民蚕桑，则蜀可蚕。犹之农夫之于五谷，非龙堆狐塞，极寒之区，犹可耕且获也。今天下蚕事疏阙矣。东南之机，三吴、越、闽最夥，取给于湖茧；西北之机，潞最工，取给于閼茧。予道湖、閼，女桑、〈姨〉

[棟] 桑<sup>②</sup>，參差牆下，未嘗不羨二郡女紅之麤，而病四遠之惰也。夫一女不績，天下必有受其寒者，而况乎半天下女不績也？豈第五十之老，帛无所出？不績則逸，逸則淫，淫則男子為所蠹蝕，而風俗日以頽壞。今天下門內之德，不甚質貞：每歲奏牋，奸淫十五，毋亦蚕教不興使然與？公父文伯母曰<sup>②</sup>：“王后親織玄紩，公侯夫人加之以絢綻，卿之內子為大帶，命妇成祭服，列士之妻加之以朝服，自庶士以下，皆衣其夫。社而賦事，烝而獻功。男女效績，愆則有辟，古之制也。”彼大夫之家，而主猶績，奈何令天下女習于逸，以趋于淫乎？國家蚕桑，載在令甲：凡民田五亩至十亩者，栽桑麻木綿各半亩，十亩以上者倍之；田多者，以是為差。特廢不舉耳。故《月令》躬蚕之禮，魯毋績愆之辟，與令甲桑麻之數，此三者，不可謂迂而不講也。

### 养蚕法

《永嘉記》曰：永嘉有八輩蚕：蠣珍蚕、三月績。柘蚕、四月初〔末〕績<sup>②</sup>。蠣蚕、四月〔初〕〔末〕績。爰珍、五月績。爰蚕、六月末績。寒珍、七月末績。四出蚕、九月初績。寒蚕。十月績。凡蚕再熟者，前輩皆謂之珍；養珍者，少養之。爰蚕者，故蠣蚕種也：蠣珍三月既績，出蛾，取卵，七、八日便剖卵。蚕生，多養之，是為蠣蚕。欲作爰者，取蠣珍之卵，藏內罌中。隨器大小，亦可拾紙，蓋覆器口，安硎泉冷水中，使冷氣折其出勢。得三七日，然後剖生；養之，謂為爰珍，亦呼爰子。績成茧，出蛾〔生〕卵<sup>②</sup>，卵七日又剖成蚕；多養之，此則爰蚕也。藏卵時，勿令見人；應用二七赤豆安器底，腊月桑柴二七枝，以麻卵紙。當令水高下，與種相齊。若外水高，則卵死不復出。若外水下卵，則冷氣少，不能折其出勢。不能折其出勢，則不得三七日；不得三七日，雖出，不成也。不成者，謂徒績成茧、出蛾、生卵，七日不復剖生，至明年方生耳。欲得陰樹下，亦有泥器〔口〕三七日<sup>②</sup>，亦有成者。

《雜五行書》曰<sup>②</sup>：二月上壬，取土泥屋四角，宜蚕，吉。按：

今世有三卧一生蚕，四卧再生蚕，白头蚕，颉石蚕，楚蚕，黑蚕<sup>⑩</sup>（有一生再生之异），灰儿蚕，秋母蚕，秋中蚕，老秋儿蚕（秋末老），獬儿蚕，锦儿蚕。同茧蚕，或二蚕、三蚕共为一茧。凡三卧、四卧，皆有丝绵之别。凡蚕，从小与〈大〉〔鲁桑〕者<sup>⑪</sup>，乃至大人簇，得饲荆、鲁二桑。小食〈则〉〔荆〕桑<sup>⑫</sup>，中与鲁桑，〈荆〉〔则〕有裂腹之患也<sup>⑬</sup>。

《齐民要术》曰：收取种茧，必取居簇中者。近上则丝薄，近下则子不生也。屋欲四面开窗，纸糊，厚为篱。屋内四角著火。火若在一处，则冷热不均。初生，以毛扫。用荻扫，则伤蚕。玄扈先生曰：毛扫亦伤蚕，用桑叶盖覆，即自上矣。调火令冷热得所。热则焦燥，冷则长迟。比至〈在〉〔再〕眠<sup>⑭</sup>，常须三箔：中箔上安蚕，上下空置。下箔障土气，上箔防尘埃。小时，采桑，著怀中令暖，然后切之。蚕小不用见露气，得人体则众恶除。每饲蚕，卷窗帏，饲讫还下。蚕见明则食，食多则生长。老时值雨者，则坏茧，宜于屋里簇之，薄布薪于箔上，散蚕讫，又薄以薪覆之。一槌得安十箔。

又法：以大蓬蒿为薪，散蚕令遍。悬之于栋梁椽柱，或垂绳、钩戈、鵠爪、龙牙<sup>⑮</sup>，上下数重，所在皆得。悬讫，薪下微生炭火以暖之。得暖则作速，伤寒则作迟。数入候看，热则去火。蒿蓬生凉，无郁浥之忧，死蚕旋坠，无污茧之患。（妙法）沙檠不住，无瘢痕之疵。郁浥则难练，茧污则丝散，瘢痕则无用<sup>⑯</sup>，蓬蒿簇亦良。玄扈先生曰：胜今簇远甚，而人不用之何故？其外簇者，晚遇天寒<sup>⑰</sup>，则全不作茧。用火易练而丝明，日曝死者，虽白而漕脆<sup>⑱</sup>。嫌练长衣著<sup>⑲</sup>，几将倍矣。甚者，虚〈实〉失岁功<sup>⑳</sup>，坚脆悬绝。资生要理，安可不知哉？

崔寔曰：三月，清明节，令蚕妾治蚕室，除隙穴，具槌持箔笼。

王祯曰：育蚕之法，始于择种。收茧〔种〕<sup>㉑</sup>，取簇之中，向阳明净厚实者。蛾出第一日者，名苗蛾，末后出者名末蛾，皆不可用。次日以后出者，取之。铺连于槌箔，雄雌相配。至暮，抛去雄蛾，将母蛾于连上匀布。所生子，环堆者，皆不用。黄省曾曰<sup>㉒</sup>：放

子，必覆而暗之，见光则其子游散。连必桑皮纸，出于南浔。生子数足，更就连上，令覆养三五日。黄省曾曰：覆三五日，则气乃固。挂时须蚕子向外，恐有风磨损其子。黄省曾曰：贯连，须用桑皮，忌苎麻之线。悬于凉处，忌烟熏日炙之所。冬节及腊八日浴时，无令水极冻。浸二日，取出，复挂。年节后，瓮内竖连，须使玲珑。每十数日日高时一出，每阴雨止，即使晒暴。黄省曾曰：腊月十二，浸之于盐卤，至二十四而出，则利于缫丝。或曰：腊八日以桑柴灰或草灰淋汁，以蚕连浸焉，一日而出，继以雪水浸之，悬干。或悬桑木之上，以冒雨雪，三宿而收之，则耐养。二月十二浴。清明之晓，则绵纸裹之，藏于厨内。俟桑芽如茶匙大，则绵絮裹之。暮也，覆以所服之暖衣；晨也，覆以所盖之暖被。既出也，温以火；未出也，禁以火焙。其浸也，用桑条之灰，湿其连而后掺之，摺而浸之于卤中，即盐化之水有分两，恐其浮也，以磁器压之。其至二十四出也，用河水涤去其灰。或置之扁中而沃<sup>①</sup>，而后凉之挂之，则至春生。否者，阴不至于费叶。至二月十二，浴以菜花、野菜花、韭花、桃花、白豆花，揉之水中而浴之。蛾之放子也，一夜而止，否则生蚁不齐。

蚕子变色，要在迟速由已，勿致损伤自变。桑叶已生，自辰巳间，将瓮内取出，舒卷提掇，亦无度数：但要第一日变三分，第二日变七分，却用纸密糊封了，还瓮内收藏。至第三日午时，又出连舒卷，须要变至十分。其蚕屋火仓蚕箔，并须预备。蚕屋宜高广，窗户虚明，易辨眠起。仍上于行摔<sup>②</sup>，各置照窗，每临早暮，以助高明下就<sup>③</sup>。附地列置风窦，令可启闭，以除湿郁。若新泥湿壁，用热火熏干<sup>④</sup>。窗上用净白纸新糊，门窗各挂苇帘薰荐。下蚁之时，勿用鸡翎等物扫拂。惟在详款稀匀，不至惊伤稠叠。生齐，取叶著怀中令暖，用利刀切极细，节于器内蓐纸上匀薄。将连合于叶上，蚁闻叶香自下。或过时不下连，及缘上连背者并弃。养蚕蚁时，先辟东间一间，四角挫垒空龛，状如参星，以均火候。谓屋小则易收火气也。停眠前后则彻去<sup>⑤</sup>。择日安捶，每捶上下闲铺三箔：上承尘埃，下隔湿润。铺砌碎秆草于上下箔<sup>⑥</sup>，以备分抬。用细切捣软秆草，匀铺为蓐。又揉净纸，粘成一片，铺蓐上安蚕。初

生色黑，渐渐加食，三日后渐变白，则向食，宜少加厚。变青，则正食，宜益加厚。复变白，则慢食，宜少减。变黄，则短食，宜愈减。纯黄，则停食，谓之正眠。眠起，自黄而白，自白而青，自青复白，自白而黄，又一眠也。每眠，例如此候之，以加减食。凡叶，不可带雨露，及风日所干。或浥臭者，食之令生诸病。常收三日叶，以备霖雨，则蚕常不食湿叶，且不失饥。采叶归，必疏爽于室中，待热气退，乃与食。蚕时，昼夜之间，大概亦分四时：朝暮类春秋，正昼如夏，夜深如冬，寒暄不一。虽有熟火，各合斟量多少，不宜一例。自初生至两眠，正要温暖，蚕母须著单衣，以为体测。自觉身寒，则蚕必寒，便添熟火；自身觉热，蚕亦必热，约量去火。一眠之后，但天气晴明，巳午之间，时暂揭起窗间帘荐，以通风日。南风则卷北窗，北风则卷南窗，放入倒溜风气，则不伤蚕。大眠起后，饲罢三顿，剪开窗纸，透风日，必不顿惊生病。大眠之后，卷帘荐，去窗纸。天气炎热，门口置瓮，旋添新水，以生凉气。如遇风雨夜凉，却当将帘荐放下。其间自小至老，蚕滋长则分之，沙燠厚则抬之；失分则稠叠，失抬则蒸湿。蚕柔软之物，不禁揉触。小而分抬，人知爱护；大而分抬，或懒倦而不知顾惜。久堆乱积，远掷高抛，损伤生疾，多由于此。蚕自大眠后，十五六顿即老。得丝多少，全在此数 [日]<sup>④</sup>。北蚕多是三眠，南蚕俱是四眠。日见有老者，量分数减饲；候十蚕九老，方可入簇。值雨则坏茧，南方例皆屋簇，北方例皆外簇。然南簇在屋，以其蚕少易办，多则不任；北方蚕多露簇，率多损压壅阏。南北簇法，俱未得中。今有善蚕者一说：南北之间，蚕少，疏开窗户，屋簇之则可；蚕多，选于院内，构长春草厦，内制蚕簇，周以木架，平铺蒿梢，布蚕于上，用席泊围护，自无簇病，实良策也。蚕簇见图谱。又有夏蚕秋蚕：夏蚕，自蚁至老，俱宜凉，惟忌蚊蝇虫。秋蚕，初宜凉，渐渐宜暖，亦因天时渐凉故也。簇与缫丝，法同春蚕。南方夏蚕，不中缫丝，惟堪线紝而已。凡茧，宜并手忙择，凉处薄摊，蛾自迟